PlanetRead

Literacy for a Billion

Movie: Aandhi
Year: 1975

Song: Tum Aa Gaye Ho
Lyricist: Gulzar

तुम आ गए हो
नूर आ गया है

तुम आ गए हो
नूर आ गया है
नहीं तो चराग़ों से
लौ जा रही थी

जीने की तुमसे
वजह मिल गई है
बड़ी बेवजह
ज़िन्दगी जा रही थी

तुम आ गए हो
नूर आ गया है

कहाँ से चले
कहाँ के लिए
ये ख़बर नहीं थी मगर
कोई भी सिरा
जहाँ जा मिला
वहीं तुम मिलोगे

हो कहाँ से चले
कहाँ के लिए
ये ख़बर नहीं थी मगर
कोई भी सिरा
जहाँ जा मिला
वहीं तुम मिलोगे

कि हम तक तुम्हारी दुआ आ रही थी
तुम आ गए हो
नूर आ गया है

नहीं तो चराग़ों से
लौ जा रही थी
तुम आ गए हो
नूर आ गया है

दिन डूबा नहीं
रात डूबी नहीं
जाने कैसा है सफ़र
ख़्वाबों के दिए
आँखों में लिए
वहीं आ रहे थे

ओ दिन डूबा नहीं
रात डूबी नहीं
जाने कैसा है सफ़र
ख़्वाबों के दिए
आँखों में लिए
वहीं आ रहे थे

जहाँ से तुम्हारी सदा आ रही थी

तुम आ गए हो
नूर आ गया है
नहीं तो चराग़ों से
लौ जा रही थी

जीने की तुमसे वजह
मिल गई है
बड़ी बेवजह

ज़िन्दगी जा रही थी
तुम आ गए हो
नूर आ गया है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.